भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य के कवर्धा रेंज में [तेंदू पत्ता](#) एकत्र करते समय भालू ने पीड़ितों पर हमला कर दिया।

मुख्य बिंदु

- **भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य के बारे में:**
  - भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य **छत्तीसगढ़ के कबीरधाम ज़िले में स्थित है।**
  - **यह** [सतपुड़ा पहाड़ियों की मैकाल श्रेणी](#) में स्थित है, जो अपनी समृद्ध जैवविविधता और अप्रभावित पारिस्थितिकी तंत्र के लिये जाना जाता है।
  - यह अभयारण्य लगभग 352 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला हुआ है।
- **सांस्कृतिक महत्त्व:**
  - इसका नाम पास में स्थित 1,000 वर्ष से अधिक पुराने **प्राचीन** [भोरमदेव मंदिर](#) के नाम पर रखा गया है।
  - यह मंदिर **भगवान शिव को समर्पित है और** इसकी विशिष्ट मूर्तियों के कारण इसे **"**[छत्तीसगढ़ का खजुराहो](#)**"** कहा जाता है।
- **पारिस्थितिक महत्त्व:**
  - भोरमदेव कान्हा-अचानकमार वन्यजीव गलियारे का हिस्सा है, जो कान्हा राष्ट्रीय उद्यान (मध्य प्रदेश) को अचानकमार वन्यजीव अभयारण्य (छत्तीसगढ़) से जोड़ता है।
  - इस भूभाग में लहरदार पहाड़ियाँ, घने जंगल और मौसमी नदियाँ शामिल हैं।
- **जल निकाय:**
  - **यह अभयारण्य फेन और संकरी नदियों** का उद्गम स्थल है, जो इसके वन पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखती हैं।
- **वनस्पति:**
  - **यहाँ** [उष्णकटिबंधीय नम और शुष्क परिपाती वनों](#) का मिश्रण है।
  - आम पेड़ों में साज (टर्मिनलिया टोमेंटोसा), **साल** (शोरिया रोबस्टा), **तेंदू** (डायोस्पायरोस मेलानॉक्सिलीन) और नीलगिरी (युकलिप्टस) शामिल हैं।
- **वन्य जीवन:**
  - यहाँ विविध प्रकार के जीव-जंतु निवास करते हैं जैसे [बाघ](#), [तेंदुए](#), [भालू](#), **विभिन्न हिरण प्रजातियाँ और पक्षी।**

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान

- **अवस्थिति:** यह मध्य प्रदेश के दो ज़िलों- मंडला (Mandla) और बालाघाट (Balaghat) में 940 वर्ग किमी. के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- **इतिहास**: वर्तमान कान्हा क्षेत्र दो अभयारण्यों- हॉलन (Hallon) और बंजार (Banjar) में विभाजित था। वर्ष 1955 में इसे कान्हा नेशनल पार्क का दर्जा दिया गया तथा वर्ष 1973 में कान्हा टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया।
- कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मध्य भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।

विशेषताएँ:

- **जीव-जंतु:**
  - मध्य प्रदेश का राजकीय पशु- हार्ड ग्राउंड बारहसिंगा या स्वैम्प डियर (Swamp deer or *Rucervus duvaucelii*) विशेष रूप से कान्हा टाइगर रिज़र्व में पाया जाता है।
  - अन्य प्रजातियों में [टाइगर](#), [तेंदुआ](#), [भालू](#), गौर और भारतीय अज़गर आदि शामिल हैं।
- **पेड़-पौधे:**
  - यह अपने सदाबहार साल के जंगलों (शोरिया रोबस्टा) के लिये जाना जाता है।
  - यह भारत में आधिकारिक शुभंकर, "भूरसिंह द बारहसिंगा" (Bhoorsingh the Barasingha) का पहला टाइगर रिज़र्व है।

अचानकमार टाइगर रिज़र्व

- यह छत्तीसगढ़ के **बिलासपुर ज़िले** में स्थित है। इसकी **स्थापना वर्ष 1975** में की गई और **वर्ष 2009 में इसे बाघ अभयारण्य घोषित किया गया**।
- यह बृहद **अचानकमार-अमरकंटक बायोस्फीयर रिज़र्व** का हिस्सा है।
- इसमें **कान्हा और बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व को जोड़ने वाला एक गलियारा** मौजूद है और यह इन रिज़र्वों के बीच बाघों के आवागमन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **नदी:**
  - इस रिज़र्व के ठीक बीच से **मनियारी नदी** बहती है, जो इस वन की जीवन रेखा है।
- **जनजाति:**
  - यहाँ बैगा जनजाति की बहुलता है, जो वन में वास करने वाला जनजाति समुदाय है जिसे **"विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTG)"** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
  - रिज़र्व के प्रमुख क्षेत्र के 626 हेक्टेयर में 25 गाँव हैं, जिनमें से लगभग 75% जनसंख्या **बैगा जनजाति** की है।
- **वृक्ष:**
  - इसके अधिकांश क्षेत्र में **उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वृक्ष** विस्तृत हैं।
- **वनस्पतिजात:**
  - **साल, बीजा, साजा, हल्दू, सागौन, तिनिसा, धावरा, लेंडिया, खमर, बाँस** सहित औषधीय पौधों की 600 से अधिक प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- **प्राणिजात:**
  - इसमें **बाघ, तेंदुआ, बाइसन, उड़न गिलहरी, इंडियन जायंट स्क्विरल, चिकारा, वन्य कुत्ता, लकड़बग्घा, सांभर, चीतल** और पक्षियों की 150 से अधिक प्रजातियाँ शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bhoramdev-wildlife-sanctuary